निम्नलिखित जानकारी, चुनिदां परिवारों से निर्धारित प्रश्नावलियों को भरवाकर, गहरी पूछताछ और सामूहिक चर्चा द्वारा पायी जाएगी।

- कृषि और पशुधन
- पोषण पदार्थों का ग्रहण और उपलब्धता
- ऊंचाई और वजन
- पाँच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की देखभाल करने की पद्धतियां
- सामाजिक-आर्थिक जानकारी जिसमें पर्यावरण, व्यवहार व मनोवैज्ञानिक कारक शामिल है
- जो चुनिदां परिवार, इस सर्वेक्षण में भाग लेने के लिए लिखित सहमति देंगे, उन्हें सर्वेक्षण में शामिल किया गया है।

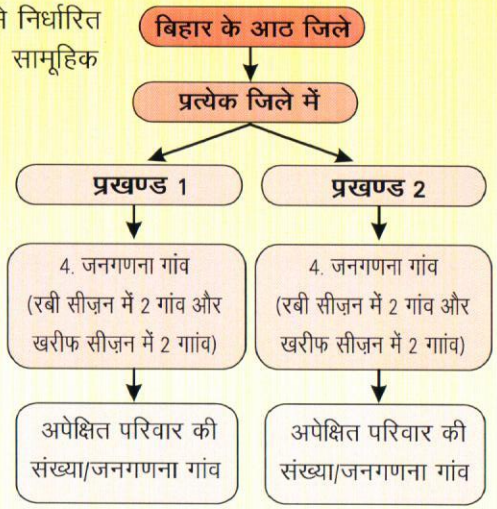

प्रत्येक गांव में सर्वेक्षण के लिए अपेक्षित परिवारों की संख्या , उस गांव की जनसंख्या के अनुपात में है।

इस अध्ययन की उपलब्धि क्या है?

इस अध्ययन की सहायता से, हम जनता के कमजोर वर्ग अर्थात् पाँच साल से कम उम्र के बच्चों की पोषण स्थिति को, कृषि सहित विभिन्न खाद्य और गैर खाद्य कारक किस प्रकार प्रभावित करते हैं, यह गहराई से समझने की आशा करते हैं।

इस जानकारी से भविष्य में पोषण स्थिति को सुधार करने और पोषण संबंधी कार्यक्रमों के आयोजन में सहायता मिलेगी।

अन्य विवरण के लिए निम्नलिखित से संपर्क करें :-

डॉ. भारती कुलकर्णी

राष्ट्रीय पोषण संस्थान, तारनाका, जामे उस्मानिया पोस्ट, हैदराबाद, तेलंगाना

040-27197256

&

डॉ. विजयलक्ष्मी पांडे

इंदिरा गांधी विकास अनुसंधान संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र

022-28416503

System of Promoting Appropriate National Dynamism for Agriculture and Nutrition (SPANDAN) - Integrated Survey on Nutrition and Agriculture

India is one of the fastest growing economies in the world. Agriculture sector continues to play a major role in the overall socioeconomic development of the country. Our country has achieved many milestones in the field of science and technology in order to achieve food security. Despite all this progress, India is home to one-third of the world's malnourished children which is a cause of concern. Improvement of the nutritional status of children, who are the future citizens of the country is the top priority for welfare of the society. It is understood that a complex relationship exists between agricultural production, household income and nutrition. However, data that include information on agriculture and nutrition from the same households, although necessary to understand these complex relationships are scarce.

National Institute of Nutrition, Hyderabad in collaboration with Indira Gandhi Institute of Development Research, Mumbai has therefore initiated an integrated survey on agriculture, food consumption patterns, behavioural factors and nutrition outcomes. The survey examines various food and non-food factors that affect the health and nutritional status of the children with following objectives.

OBJECTIVES

- To understand the pathways from the type and extent of participation in agriculture to consumption and nutrition outcomes.
- To assess the nutritional status and morbidity patterns among children less than 5 years of age.
- To assess the role of various factors including dietary intakes, child care practices, health seeking behaviour, socio-demographic profile of the households, participation in government nutrition and agriculture programs etc., in the nutritional status of young children.
- To collect information on the infrastructure facilities at the community level.

METHODOLOGY

This survey is being conducted in 2000 households in the following 8 districts of

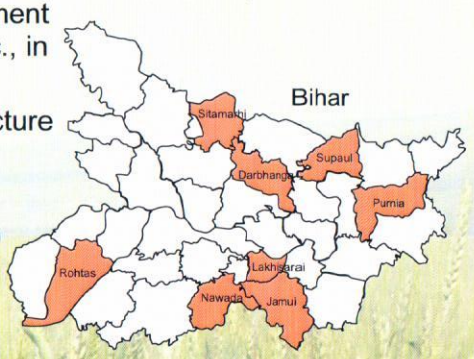

Bihar: Supaul, Purnia, Sitamarhi, Darbhanga, Lakhisarai, Jamui, Nawada and Rohtas. Each selected block in these 8 Districts will be visited twice, once during Rabi season and once during Kharif season. Only the households that have children less than 5 years of age are included in the survey.

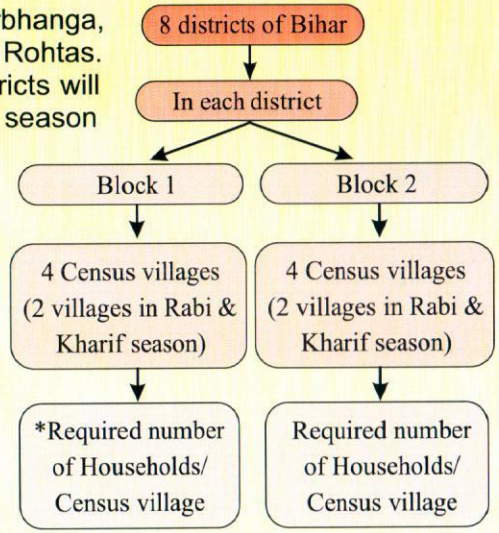

*Required number of households for the survey in each village is in proportion to the population of the village.

The following information is collected from the household members using pretested and validated questionnaires, in-depth interviews and focus group discussions:

- Agriculture and livestock
- Nutritional intakes and access to food
- Anthropometric measures
- Child care practices for all the children under age of 5 years
- Socio-economic profile including environmental, behavioural & psychological factors

All randomly selected households who give written informed consent for participation are included in the survey.

WHAT THE SURVEY IS TRYING TO ACHIEVE?

With the help of this study, we hope to gain an in-depth understanding of how the agriculture, along with various food and non-food factors, influences the nutritional status of the vulnerable sections of the population i.e. children less than five years of age. This understanding will guide policies and future interventions to improve the nutritional status and the government programs in the area of agriculture and nutrition.

For further details contact:
Dr. Bharati Kulkarni
National Institute of Nutrition (ICMR)
Jamai Osmania, Hyderabad, Telangana
Ph: 040-27197256

Dr. Vijay Laxmi Pandey
Indira Gandhi Institute of Development Research
Mumbai, Maharashtra
Ph: 022-28416503

कृषि और पोषण के लिए उपयुक्त राष्ट्रीय संचलन को बढ़ावा देने की प्रणाली (स्पंदन) - पोषण और कृषि पर एकीकृत सर्वेक्षण

भारत, विश्व में तेजी से आर्थिक विकास करने वाले देशों में से एक है। कृषि क्षेत्र देश के संपूर्ण सामाजिक व आर्थिक विकास में प्रमुख भूमिका निभा रहा है। हमारे देश ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में काफी प्रगति की है। इस प्रकार की प्रगति के बावजूद, विश्व के एक तिहाई कुपोषित बच्चे भारत में रहते हैं, जो एक गहरी चिंता का विषय है। समाज के कल्याण को ध्यान में रखते हुए भारत के भविष्य, याने इन बच्चों की, पोषण स्थिति में सुधार लाना हमारे लिए मुख्य विषय है।

यह विदित है कि कृषि उत्पादन, घरेलू आय और पोषण के बीच एक जटिल संबंध है। हालांकि एक ही परिवार की जानकारी, जिसमें कृषि और पोषण संबंधी सूचना शामिल हो, इन जटिल समस्याओं को समझने के लिए आवश्यक है, लेकिन दुर्लभ है। राष्ट्रीय पोषण संस्थान, हैदराबाद ने, इंदिरा गांधी विकास अनुसंधान संस्थान, मुंबई के साथ, कृषि, आहार लेने की पद्धतियाँ, आचार-व्यवहार और पोषण के परिणामों पर एकीकृत सर्वेक्षण आरंभ किया है। इस सर्वेक्षण में बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण की स्थिति को प्रभावित करने वाले कई खाद्य और गैर खाद्य कारकों की जांच की जाएगी। इसका मुख्य उद्देश्य इस प्रकार है :-

- खपत और पोषण के परिणामों को समझने के लिए कृषि में भागीदारी के प्रकार और उसकी सीमाओं की जानकारी पाना।
- पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में पोषण की स्थिति और होने वाली बीमारियों का आकलन करना।
- कृषि और पशुधन के बारे में जानकारी पाना।
- बच्चों की पोषण स्थिति में खाद्य और गैर खाद्यकारकों (जैसे परिवारों में सदस्यों की संख्या, सामाजिक स्थिति, सामाजिक/सांस्कृतिक कारक, निषेध और विश्वास, पर्यावरण, मानव विज्ञान संबंधी कारण, स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार, उपलब्धता, सामर्थ्य, उपयोगिता, परिवहन व संचार की सुविधाएं, तनाव, मनोवैज्ञानिक तथ्य आदि) की भूमिका का निर्धारण।

कार्यप्रणाली :-

यह सर्वेक्षण निम्नलिखित जिलों के 2,000 घरों में आयोजित किया जा रहा है: सुपाल, पूर्णिया, सीतामढ़ी, दरभंगा, लखीसराय, जमुई, नवादा और रोहतास। प्रत्येक उप जिले में हम दो बार जाएंगे। एक बार रबी सीज़न में और दूसरी बार खरीफ सीज़न में। इस सर्वेक्षण में केवल उन घरों को शामिल किया गया है जिसमें पाँच वर्ष से कम उम्र के बच्चे हों।